२५९. गाईये सब गाईये

गाईये सब गाईये, मेहरके गुण गाईये ॥
मेहेर मेहेर गाईये, मेहेर हियमे पाईये ॥धृ.॥

जगसे मुँह ना मोडिये । पर उसमे ना खोईये
मोह वासना त्यागिये । नीजी काम न छोडिये
हँसते रहिये सबसे मिलिये और जयबाबा बोलिये ॥१॥

Scanned by CamScanner

संचय उतना कीजिये । लालचमे ना खोईये ।
जीवनपथपर जाईये । मेहेर सुमिरन कीजीये
प्यार दीजिये प्यार लीजिये और जयबाबा बोलिये ॥२॥

भरमपटलको तोडिये । शाश्वत जीवन पाईये
सत्यग्यान अपनाईये । परमानंदन पाइये
मधुसूदन बस मेहेर गाईये और जयबाबा बोलिये ॥३॥

Scanned by CamScanner